बिहार के हिस्से की बिजली नहीं दे रहा है केंद्र : नीतीश

■ 1800 की जगह मिलती है 700 मेगावाट बिजली

नवीन सिंह परमार ■ सीवान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हर गांव में बिजली पहुंचाने के लिए सरकार युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है, लेकिन केंद्र से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है. देश में एक व्यक्ति को औसत 700 यूनिट बिजली मिलती है, वहीं बिहार में प्रति व्यक्ति 122 यूनिट ही मिलती है. केंद्रीय कोटे से प्रतिदिन 1800 मेगावाट बिजली शेष पेज 19 पर

सीवान में सीएम ने पूर्व विधायक जगमातो देवी की प्रतिमा का उद्घाटन किया

50 महीने बाद नवीनगर से मिलेगी बिजली

पटना ■ नवीनगर थर्मल पावर प्लांट में मैकेनिकल वर्क की कार्रवाई शुरू हो गयी है. एनटीपीसी ने एक फरवरी को ब्वायलर, टरबाइन व जेनरेटर के लिए वर्क ऑर्डर दे दिया. अब अधिकतम 50 महीने में बिजली उत्पादन शेष पेज 19 पर

▶ बिहार का कोटा 1373 मेगावाट

मिलनी चाहिए, पर 700 से 800 मेगावाट ही मिलती है. यह बिहार के साथ अन्याय नहीं, तो और क्या है? उन्होंने कहा कि बिहार के इतिहास में मानव सभ्यता का इतिहास छुपा है. यही कारण है कि जब बिहार में जंगल राज था और प्रदेश पतन की ओर जा रहा था, तो पूरे विश्व के लोग चिंतित थे. और आज जब बिहार सुंदर व विकसित राज्य के रूप में स्थापित हो रहा है, तो पूरा विश्व उसकी ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है. ये बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को सिसवन के नंदामुड़ा गांव में माता जगमातो देवी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहीं. उन्होंने कहा कि जंगल राज के लाभार्थियों को बिहार का बदलाव अच्छा नहीं लग रहा है. सभा से पूर्व मुख्यमंत्री ने नंदामुड़ा में पूर्व विधायक स्व जगमातो देवी व उनके पति स्व बालेश्वर राज सिंह की मूर्तियों का अनावरण किया. मौके पर मंत्री पीके शाही, जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, गौतम सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मंगल पांडेय, विधान पार्षद मनोज कुमार सिंह, विधायक व्यासदेव प्रसाद, विक्रम कुंवर, रामायण मांझी, श्याम बहादुर सिंह, दामोदर सिंह व जदयू नेता अजय सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे.